वाट्सएप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 47 गुरुवार 15 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कांग्रेस के पुराने दिग्गजों के परिवारों से मिले प्रभारी रंधावा

पूर्व सीएम पहाड़िया के बेटे के बीजेपी में जाते ही पुराने नेताओं के परिवारों पर फोकस

जयपुर. कासं

पूर्व सीएम जगन्नाथ पहाड़िया के बेटे ओम प्रकाश पहाड़िया के कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जाने के बाद कांग्रेस ने पुराने दिग्गजों के परिवारों को बुलाकर उनका मन टटोलना शुरू कर दिया है। कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कांग्रेस वॉर रूम में पूर्व सीएम जगन्नाथ पहाड़िया के छोटे बेटे की पत्नी और उनके बेटों से मुलाकात की। रंधावा ने दो पूर्व मुख्यमंत्रियों और तीन पूर्व प्रदेशाध्यक्षों के परिवारों से मिलकर कांग्रेस की सियासत पर चर्चा की। ये सभी परिवार टिकट भी चाहते हैं। पूर्व सीएम पहाड़िया के बेटे ओम प्रकाश पहाड़िया ने दो दिन पहले ही कांग्रेस छोड़ी थी। ओम प्रकाश पहाड़िया हालांकि वैर से चुनाव हार गए थे, लेकिन पुराने कांग्रेसी परिवार के नेता के बीजेपी में जाने से चुनावी साल में पार्टी के पर्सेप्शन पर असर पड़ा है। इसके बाद प्रभारी रंधावा अब सभी पुराने कांग्रेसी परिवारों के वारिसों को बुलाकर उन्हें पार्टी से सक्रिय रूप से जुड़ने पर बात कर रहे हैं। रंधावा अब लगातार पुराने कांग्रेस परिवारों से मिलेंगे।

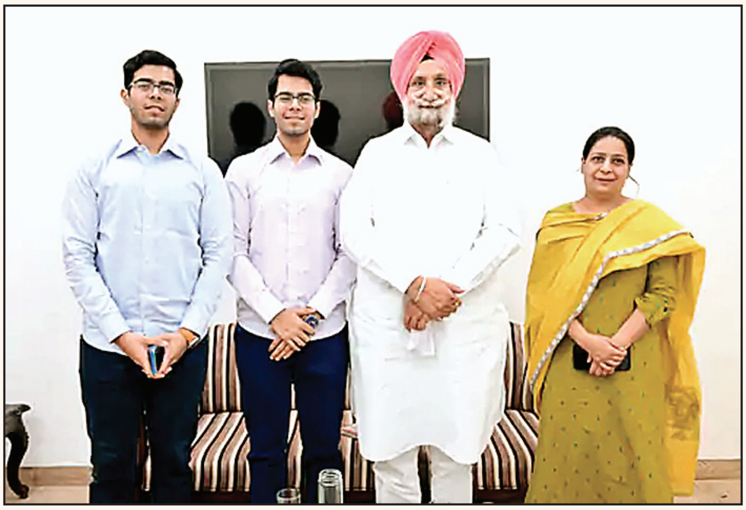

दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के परिवार से रंधावा की सियासी मंत्रणा

रंधावा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर की बेटी वंदना माथुर, दोहिती विभा माथुर और उनके परिवार के सदस्यों से कांग्रेस वॉर रूम में चर्चा की। शिवचरण माथुर की दोहिती विभा माथुर सचिन पायलट समर्थक हैं और उनके प्रदेशाध्यक्ष रहते समय कांग्रेस सोशल मीडिया विंग की प्रमुख रह चुकी हैं। रंधावा ने पूर्व सीएम जगन्नाथ पहाड़िया की पुत्रवधू और दिवंगत कांग्रेस नेता संजय पहाड़िया की पत्नी आभा पहाड़िया से भी मुलाकात की।

तीन पूर्व प्रदेशाध्यक्षों के परिवार वालों से भी लिया वन टू वन फीडबैक

वॉर रूम में प्रभारी रंधावा ने कांग्रेस के तीन पूर्व प्रदेशाध्यक्षों के वारिसों से भी पार्टी के मामलों में वन टू वन चर्चा की। रंधावा ने कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष गिरधारी लाल व्यास के बेटे डॉ. रघु व्यास, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राम किशोर व्यास के पोते रूपेश कांत व्यास और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सरदार हरलाल सिंह के पोते अनिल चौधरी से वन टू वन मुलाकात कर कांग्रेस संगठन को ग्रास रूट पर मजबूत करने पर फीडबैक लिया। पूर्व सीएम जगन्नाथ पहाड़िया के दिवंगत छोटे बेटे संजय पहाड़िया की पत्नी आभा पहाड़िया ने अपने जेठ ओम प्रकाश पहाड़िया के कांग्रेस छोड़ने पर पलटवार किया। आभा ने कहा- बड़ा बेटा हमेशा अपने पिता के नाम को आगे बढ़ाता है, लेकिन हम ओम प्रकाश पहाड़िया के बीजेपी में जाने से बहुत आहत हैं। अगर कांग्रेस नहीं होती तो हमें आज कौन जानता, आज हमारी जो इज्जत है वह कांग्रेस की वजह से ही है। आभा ने कहा- आज अगर हमारी पूछ है तो वह पिताजी जगन्नाथ पहाड़िया के नाम के कारण ही हो रही है। जगन्नाथ पहाड़िया ने क्या कभी पार्टी छोड़ी? हमारा टिकट पहले भी काटा, जिंदगी भर वे कांग्रेस के साथ रहे। टिकट नहीं मिला तो क्या कभी कोई अपना परिवार छोड़ता है?

हाउसिंग बोर्ड कर्मचारियों का प्रदर्शन

नई भर्ती करने और जमीनों का आवंटन की उठाई मांग; 26-27 जून को पेनडाउन हड़ताल करेंगे

जयपुर. कासं

राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ की ओर से आज बोर्ड मुख्यालय जयपुर पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान बोर्ड की ओर से दी गई जमीन के बदले जमीन देने और कर्मचारियों की भर्ती जल्द करने की मांग की। इस दौरान संघ ने आज मण्डल मुख्यालय पर आमसभा (गेट मीटिंग) का आयोजन किया। इसमें आंदोलन के दूसरे चरण की रूपरेखा तय की गई, जिसमें पेनडाउन हड़ताल शामिल है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष दशरथ कुमार ने बताया कि आमसभा को संबोधित करते हुए बताया कि मण्डल कर्मचारी पिछले दो माह से मण्डल को बचाने के लिए आंदोलन कर रहे है। उन्होंने कहा कि सरकार और मण्डल प्रशासन ने समय रहते मण्डल को हुई क्षति की भरपाई नहीं की तो आंदोलन को ओर तेज किया जाएगा। इस गेट मीटिंग को कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर.सी. बुढानिया, संयुक्त महासचिव गोविन्द नाटाणी, कोषाध्यक्ष मोहन सिंह सहित वृत्त कार्यालयों के अध्यक्षों ने संबोधित करते हुए संघर्ष को तेज करने का एलान किया।

यूं चलेगा दूसरे चरण का आंदोलन

संघर्ष समिति के संयोजक रमेश चन्द शर्मा ने बताया कि मण्डल बचाओ अभियान के तहत पहले चरण में मुख्यालय और जयपुर से बाहर के सर्किल ऑफिसों में धरना प्रदर्शन किए गए। अब आंदोलन के दूसरे चरण में 15 से 23 जून तक समस्त अधिकारी और कर्मचारी काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। जबकि 26 और 27 जून को पैन डाउन हड़ताल कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद भी अगर सरकार या प्रशासन की ओर से कोई सुनवाई नहीं की तो 3 जुलाई से हर रोज हर ऑफिसर में लंच के बाद प्रदर्शन किया जाएगा।

सुशीला देवी पाटनी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर भक्ति संध्या का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुशीला देवी पाटनी धर्मपत्नी महेन्द्र कुमार जैन पाटनी चतुर्थ पुण्य तिथि पर भट्टारक जी की नसियां में आदिनाथ भगवान के समक्ष जिनेन्द्र भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। स्वर कोकिला श्रीमती कनक प्रभा हाडा, स्वर सम्राजी समता गोदिका, राजकुमार संघी, अशोक कुमार गंगवाल, अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डा. गौरव सौगानी, अर्चना पाटनी, वन्दना जेन आदि ने बहुत ही सुन्दर भजन प्रस्तुत किये। सभी महानुभावो ने मंत्रमुग्ध होकर भजनों का आनन्द लेते रहे। कार्य का संचालन शीला पाटनी ने किया। इस अवसर पर नरेश कुमार सेठी, पूर्व मुख्य न्यायाधीश नगेन्द्र कुमार जैन, पूर्व मुख्य न्यायाधीश नरेन्द्र कुमार जैन, महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या, महासमिति के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री डा. राजेन्द्र कुमार जैन, अशोक जैन आईएएस, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र पाण्ड्या, महासंघ के मंत्री विपिन बज, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के महामंत्री योगेश टोडरका, मनीष बैद, राकेश गोदिका, राकेश गोधा, सुरेश बांदीकुई, राजेन्द्र कुमार बाकलीवाल, राजीव संघी, सुधीर जैन, पंकज हाडा, देवेन्द्र पापडीवाल, कर्नल अनुराग जैन, राजीव गाजियाबाद, ललित कुमार मेहता, राजकुमार सेठी, धर्मचन्द्र ठोलिया तथा मनोज छाबड़ा आदि महानुभावो की गरिमामयी उपस्थिति थी ।

कलश शोभायात्रा में भक्ति के साथ उमड़ी श्रद्धा की धारा, गूंजे उठे राधे-राधे के जयकारे

श्री दूदाधारी गोपाल मंदिर नूतन महल प्रवेश महोत्सव समिति के तत्वावधान में जगद्गुरू श्री निम्बाकाचार्य पीठाधीश्वर श्री श्यामशरण देवाचार्यश्री 'श्रीजी' महाराज के सानिध्य में निकाली गई शोभायात्रा में संत-महात्माओं के साथ समाज के हर वर्ग से जुड़े भक्तजन शामिल थे।

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रद्धा के साथ भक्ति का संगम हो रहा था, पुष्पवर्षा के साथ राधे-राधे के जयकारे गूंज रहे थे। सैकड़ो महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर रखे थे तो श्रद्धालुओं ने सिर पर श्रीमद् भागवत ग्रंथ को धारण कर रखा। ये नजारा बुधवार सुबह भीलवाड़ा शहर के उन क्षेत्रों में दिखा जहां से ठाकुर श्री दूधाधारी गोपालजी महाराज का नूतन महल प्रवेश महोत्सव का आगाज होने के अवसर पर निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा गुजरी थी। श्री दूदाधारी गोपाल मंदिर नूतन महल प्रवेश महोत्सव समिति के तत्वावधान में जगद्गुरू श्री निम्बाकार्चार्य पीठाधीश्वर श्री श्यामशरण देवाचार्यश्री 'श्रीजी' महाराज के सानिध्य में निकाली गई शोभायात्रा में संत-महात्माओं के साथ समाज के हर वर्ग से जुड़े भक्तजन शामिल थे। कलश शोभायात्रा के साथ 21 जून तक चलने वाले आयोजन का भव्य आगाज हुआ। आयोजन के तहत सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ भी बुधवार सु शुरू हो गया। आयोजन के तहत दूदाधारी मंदिर में 108 पंडित मूल भागवत का प्रतिदिन सुबह 8 से दोपहर 1 बजे तक पाठ करेंगे। इसी तरह पंचकुण्डीय यज्ञ अनुष्ठान भी शुरू हो गया। महोत्सव के तहत प्रतिदिन रात 8 से 10 बजे तक कृष्णभक्ति के रंग से ओतप्रोत महारास का आयोजन भी होगा। कलश शोभायात्रा सुबह पेच के बालाजी मंदिर से शुरू हुई। शोभायात्रा श्रीचारभुजानाथ बड़ा मंदिर होते हुए कार्यक्रम स्थल सांगानेरी गेट स्थित श्री दूदाधारी मंदिर पहुंची। बड़ा मंदिर पहुंचने पर कलश शोभायात्रा का भव्य स्वागत मंदिर ट्रस्ट की ओर से किया गया। शोभायात्रा में भी श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा में महंत लक्ष्मणदासजी महाराज, मंहत मोहनशरण शास्त्री, मंहत रूैणवाल, मंदिर के पुजारी कल्याण शर्मा सहित निम्बार्क सम्प्रदाय के कई महंत व संत शामिल थे। शोभायात्रा में महिलाएं चुंदड़ी और पुरूष सफेद वस्त्रों में थे। शोभायात्रा में 108 पुरूष सिर पर श्रीमद् भागवत ग्रंथ लिए हुए एवं 400 महिलाएं मंगल कलश लिए हुए चल रही थी। शोभायात्रा में राजेन्द्र भदादा, नंदकिशोरजी, बाबूलाल कोगटा, राजू झंवर, केजी सोनी, बद्रीप्रसाद लढ़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे। कलश शोभायात्रा के दूदाधारी मंदिर पहुंचने के बाद वहां 108 जोड़ो द्वारा 108 मूल भागवत की पूजा की गई। इसके बाद 108 पंडितों ने इनका पाठ शुरू किया। ठाकुर श्री दूधाधारी गोपालजी महाराज का नूतन महल प्रवेश महोत्सव के तहत सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आगाज अग्रवाल उत्सव भवन में बुधवार दोपहर व्यास पीठ से श्री निम्बाकार्चार्य पीठाधीश्वर श्री श्यामशरण देवाचार्यश्री श्रीजी महाराज के मुखारबिंद से हुआ। उन्होंने कथावाचन करते हुए कहा कि इस सृष्टि में मनुष्य ही है जो भागवत कथा जैसा आयोजन कर सकता है।

वेद ज्ञान

ईश्वर का स्वरूप

आज तक कभी ईश्वर अपने मूल रूप में प्रकट नहीं हुआ है। कभी उसने यह घोषणा नहीं की है कि वह ईश्वर है और इस सृष्टि का सृजनकर्ता है। वह सृष्टि के आरंभ से है, क्योंकि सृष्टि उसी ने बनाई है। वह कब से है, इसके बारे में निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। उसे किसी ने भी नहीं देखा, किंतु विश्वास से कहा जाता है कि वह है। भले ही कह दिया जाता है कि वह कण-कण में है फिर भी उसके निवास के बारे में ज्ञात नहीं है। उसका कोई नाम भी नहीं है। ईश्वर को विभिन्न नामों से पुकारा जाता है जो मनुष्यों ने ही रखे हैं। उसे कभी किसी को कुछ देते हुए नहीं देखा गया है, किंतु उसे दाता माना जाता है। एक बात तो स्पष्ट है कि वह विनम्रता का सागर है। उसने सबसे सुंदर रचना के रूप में मनुष्य को रचा। विडंबना यह है कि मनुष्य ही उसकी महानता से कुछ सीख नहीं सका।ईश्वर एक होते हुए भी स्वयं को प्रदर्शित नहीं कर रहा है, जबकि मनुष्य करोड़ों में से एक होने पर भी अपने होने का अहसास करने में दिन-रात एक कर देता है। सबसे प्रिय उसे अपना नाम है जिसे वह सदैव सुनना, पढ़ना और देखना चाहता है। अपनी प्रशंसा के लिए वह कुछ भी करने को तैयार रहता है। एक आदर्श पिता चाहता है कि उसकी संतान उसके गुणों को ग्रहण करे और आगे बढ़ाए। परमात्मा ने मनुष्य की रचना करते हुए अवश्य ऐसा ही कुछ सोचा होगा। क्या मनुष्य के लिए यह श्रेष्ठ स्थिति नहीं कि जो अनुकरणीय सामने है वह उससे प्रेरित हो। मनुष्य की आत्ममुग्धता उसे सदा से ही ऐसा करने से रोकती आई है। इसलिए मानव जीवन दबावों से भरपूर हो गया है। सांसारिक सुविधाओं में मनुष्य आत्मसम्मान तलाश रहा है। इसका कोई अंत नहीं है। यह सब कुछ वह उस तन के लिए कर रहा है जो पांच तत्वों से मिल कर बना है। सांसें रुकते ही उसे मिट्टी में मिल जाना है। तन की नश्वरता और मनुष्य की आत्ममुग्धता के मध्य कोई तारतम्य नहीं है। मनुष्य के लिए आवश्यक है कि ईश्वर की शरण ले और अपनी सीमाओं को समझे। संसार की सराहना और आलोचना का भय त्यागे। अपने स्व को मिटाए। ईश्वर निर्लिप्त और सहज भाव से अपनी लीला दिखा रहा है। इस निर्लिप्तता और सहजता का शतांश भी मनुष्य धारण कर ले तो उसके आत्मिक उत्थान की राह खुल जाए।

संपादकीय

महंगाई के मोर्चे पर अब मिल रही राहत

राहत की बात है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई घट कर पिछले पच्चीस महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई है। मई में यह 4.25 फीसद दर्ज हुई। पिछले साल इसी अवधि में यह 7.04 फीसद पर थी। खुदरा महंगाई के काबू में न आ पाने की वजह से स्वाभाविक ही सरकार के माथे पर बल नजर आने लगे थे। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस पर काबू पाने के मकसद से कई बार नीतिगत दरों में बदलाव करते हुए रेपो दरें ढाई फीसद तक बढ़ा दीं। उसका कहना था कि महंगाई अगर छह फीसद से नीचे के स्तर पर बनी रहती है, तो विकास दर में उल्लेखनीय प्रगति आने लगेगी। इस लिहाज से रिजर्व बैंक के लिए भी राहत की बात है, क्योंकि अब उस पर मौद्रिक नीति में बदलाव का मनोवैज्ञानिक दबाव नहीं रहेगा। हालांकि पिछले महीने भी जब खुदरा महंगाई दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज हुई थी तो औद्योगिक परिसंघ के कुछ लोगों की अपेक्षा थी कि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कटौती करेगा। मगर उसने दृढ़ता

पूर्वक कह दिया कि किसी भी तरह का जोखिम मोल लेना अभी उचित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि कुछ ही क्षेत्रों में कमी दर्ज हुई थी, कई क्षेत्रों में महंगाई की दर ऊपर का रुख बनाए हुई थी। ताजा आंकड़ों में भी खाद्य और ईंधन उत्पादों की कीमतों में नरमी की वजह से महंगाई दर में कमी दर्ज हुई है। उसमें भी उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में काफी कमी आई है। खाद्य पदार्थों की महंगाई दर 2.91 फीसद दर्ज हुई, जबकि पिछले महीने यह 3.84 फीसद थी। इसमें भी सबसे अधिक गिरावट खाद्य तेलों और सब्जियों की कीमतों में दर्ज की गई, जबकि दालों और अनाज की महंगाई दर बढ़ कर क्रमशः 12.65 और 6.56 फीसद रही। अर्थशास्त्रियों ने आशंका जताई है कि चालू वित्तवर्ष की दूसरी छमाही में मानसून सामान्य से कम रहने की वजह से खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। इससे जाहिर है कि फिलहाल रिजर्व बैंक के लिए जरूर कुछ राहत की बात है, मगर उसे लगातार महंगाई पर नजर रखनी पड़ेगी। खुदरा महंगाई की दर मानसून और कृषि उत्पादन पर भी काफी कुछ निर्भर करती है, इसलिए इसमें मौसमी प्रभावों को स्थायी समाधान नहीं माना जाता। महंगाई का रिश्ता औद्योगिक उत्पादन और रोजगार के अवसरों से भी जुड़ा होता है। मगर महंगाई के आंकड़ों के साथ ही औद्योगिक उत्पादन का जो आंकड़ा आया है, वह निराश करने वाला ही है। औद्योगिक उत्पादन की दर इस साल अप्रैल में 4.2 फीसद की दर से बढ़ा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 6.7 फीसद था। विनिर्माण, खनन और बिजली उत्पादन का प्रदर्शन घटा है। कोरोना काल में बंदी की वजह से औद्योगिक इकाइयों की स्थिति काफी डांवाडोल हो गई थी, मगर फिर जब उसने गति पकड़ी तो उम्मीद की जा रही थी कि वह तेजी से आगे बढ़ेगी। मगर ऐसा हो न सका। औद्योगिक उत्पादन न बढ़ने का असर सीधा नए रोजगार के सृजन पर पड़ता है। जब लोगों के पास रोजगार नहीं रहेगा, तो उनकी क्रय क्षमता भी कम होगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कनाडा में शिक्षा

कनाडा में पढ़ाई करने गए और कुछ दिनों से निर्वासन के भय में जी रहे भारतीय मूल के छात्रों को वहां के अधिकारियों ने बड़ी राहत दी है। उनके निर्वासन पर स्थगन आदेश जारी कर दिया है। इस मामले में भारत का विदेश मंत्रालय लंबे समय से छात्रों के प्रति सहानुभूति पूर्वक व्यवहार की अपील कर रहा था। विदेशमंत्री ने कहा है कि इसमें दोष छात्रों का नहीं, बल्कि उन एजंसियों का है, जिनकी मार्फत वे वहां पढ़ाई करने पहुंचे थे। दरअसल, मामला यों है कि कई विद्यार्थी यहां से कनाडा के संस्थानों में दाखिला कराने वाली एजंसियों की मदद से वहां पहुंचे थे। उन्होंने जिस कालेज में दाखिले का पत्र उन्हें दिया, उसी आधार पर वीजा मिल गया। मगर जब वे वहां पहुंचे, तो उन कालेजों ने कहा कि उनके यहां दाखिला पूरा हो चुका है। ऐसे में एजंसियों ने उन्हें किसी दूसरे कालेज में दाखिला लेने को प्रेरित किया। इस तरह वहां रह कर उन्होंने पढ़ाई पूरी की और कहीं काम करने लगे। मगर गड़बड़ तब हुई जब उन्होंने वहां स्थायी निवास के लिए आवेदन किया। वहां के अधिकारियों ने देखा कि वे जिस कालेज में दाखिले के लिए आए थे, उसके बजाय दूसरे कालेज से पढ़ाई की और वहां रह कर काम करते रहे। फिर उन्होंने उन छात्रों को फर्जी तरीके से वहां रहने का दोषी करार देते हुए वापस भेजने का आदेश जारी कर दिया। ऐसे करीब सात सौ युवा हैं। अच्छी बात है कि कनाडा के संबंधित प्राधिकार ने इस मामले को समझा और वहां फंसे युवाओं को वापस भेजने के अपने फैसले पर रोक लगा दी। यह पहली बार नहीं है, जब विदेश भेजने वाले एजंटों के फर्जीवाड़े के चलते भारतीय नागरिकों को दूसरे देशों में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय युवाओं को ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश इसलिए आकर्षित करते हैं कि वहां जाना आसान है और कुछ पैसे लेकर एजंट लोगों को वहां आसानी से भेज भी देते हैं। मगर कुछ दिनों बद जब उन्हें वहां स्थायी निवास की अनुमति नहीं मिलती, तो इधर-उधर भटकना और दूसरे फर्जीवाड़ों का सहारा लेना पड़ता है। खासकर पंजाब और हरियाणा के युवाओं में कनाडा और ब्रिटेन जाने की ललक कुछ अधिक देखी जाती है। इसका फायदा एजंसियां उठाती हैं और भारी-भरकम रकम लेकर उन्हें वहां भेज भी देती हैं। कुछ साल पहले ऐसे ही फर्जीवाड़े करने वाली कुछ एजंसियों को पकड़ा गया था, जिसमें कई नामचीन लोगों के भी हाथ पाए गए। तब सरकार ने इस धंधे पर रोक लगाने का संकल्प लिया था, मगर अब तक ऐसा कुछ नहीं हो पाया है। विद्यार्थियों का विदेश में पढ़ाई के लिए आना-जाना कोई गुनाह नहीं है। मगर जब किसी वजह से कुछ युवा एजंटों के जरिए फर्जी तरीके से दूसरे देशों में पहुंचते हैं, तभी मुश्किल होती है। चिकित्सा विज्ञान जैसे कुछ पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए तो प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं, इस तरह उनमें पंजीकृत कराने और बाहर दाखिले के लिए जाने वाले छात्रों के बारे में विदेश मंत्रालय के पास आंकड़ा रहता है। मगर जो फर्जी दस्तावेजों पर वहां जाते हैं, मुश्किलें उनके सामने ही खड़ी होती हैं। विदेशमंत्री ने कहा तो है कि कनाडा में निर्वासन का भय झेल रहे छात्रों का दोष नहीं है, मगर इसके लिए जो लोग दोषी हैं, क्या उन पर नकेल कसने की कोई तैयारी है, ताकि आगे ऐसी समस्या न पैदा हो!

महावीर इंटरनेशनल मुख्य शाखा द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 75 यूनिट रक्त एकत्रित

सूरत. शाबाश इंडिया। महावीर इंटर्नैशनल के परमार्थ और सेवा के मूलभूत सिद्धांत को आगे बढ़ाते हुए आज बुधवार 14 जून 2023 को world Blood donation day पर surat textile market के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्थित रिसेप्शन के पास रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया।शिविर का शुभारंभ नरेंद्र साबू , वीर रोशन बाफ़ना , वीर मुकेश जैन , वीर अनिल बरडिया , वीर दिनेश जी जैन , वीर हस्तीमल बाँठिया , वीर कैलाश जी जैन तथा वीर पारस जी चपलोत द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर के दौरान अ० रा० उपाध्यक्ष वीर गणपत सा भंसाली , वीर सुरेंद्र जी मरोठी, वीर संदीप जी डाँगी , वीर ललित जी वैष्णव, वीर श्रेणिक(मोंटू) जी जैन , मार्केट पदाधिकारी श्री राजकुमारजी ओरडिया, मैनेजर श्री ख़ान भाई की गौरवमयी उपस्थिति अति प्रेरणादायक रही। वीर पारस जी चपलोत ,वीर नरपतजी सेखानी एवं वीर कैलाश जी जैन ने शिविर के दौरान खूब सक्रिय योगदान दिया। 75 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। रक्त दाताओं को umbrella उपहार में दिया गया।

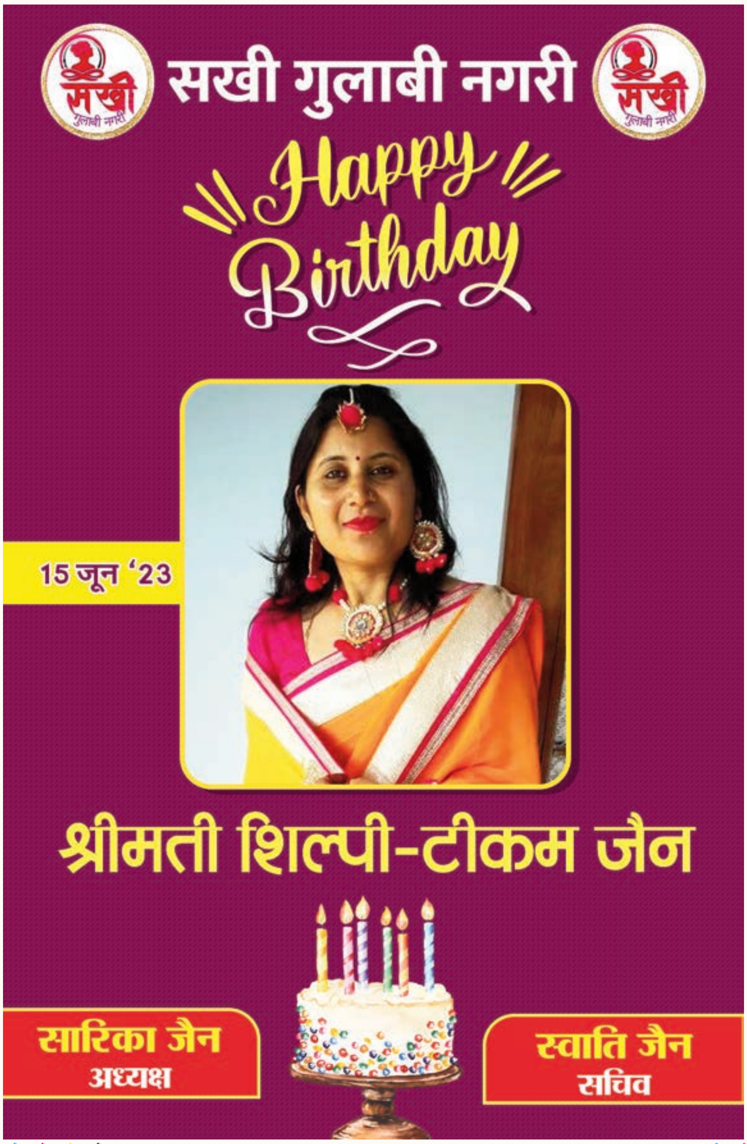

जैन मुनि विनयसागर का अंबाह नगर में भव्य आगमन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

अंबाह। जैन सन्त विनयसागर जी महाराज ससंघ का भव्य नगर प्रवेश 16 जून को होगा। प्रशांतमूर्ति श्रमण मुनि श्री 108 विनय सागर महाराज एवं मुनिश्री कंचन सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश

16 जून शुक्रवार को प्रातः 7 बजे अम्बाह नगर में होने जा रहा है। मुनिश्री सिहोनियाँ जी अतिशय क्षेत्र से पद विहार करते हुए अम्बाह पहुचेंगे। नगर के साधर्मी बन्धु नगर की सीमा पर पहुँचकर मुनिसंघ की अगवानी करेंगे। बैंडबाजों, ढोल नगाड़ों के साथ जग्गा चौराहा पर अगुवानी हेतु भक्त लोग एकत्रित होगे। महाराज श्री जग्गा चौराहा, सदरबाजार होते हुए जैन धर्मशाला में तीन दिन के प्रवास पर आ रहे है। सौरभ जैन वरेह बालो ने जानकारी देते हुए बताया कि महाराज श्री शुक्रवार को धर्म नगरी अंबाह में अल्प प्रवास पर पधार रहे हैं जिसमें सुबह प्रवचन के माध्यम से जैन धर्मशाला में धर्म की गंगा बहाएंगे। शाम को गुरु भक्ति और अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाएंगे।

राजस्थान साहित्य प्रोत्साहन पुरस्कार की होगी शुरूआत

पुरस्कार में 11-11 लाख रुपए की राशि, प्रशस्ति पत्र एवं शॉल

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्य सरकार साहित्यकारों को राजस्थान साहित्य प्रोत्साहन पुरस्कार से सुशोभित करेगी। प्रोत्साहन में श्री कन्हैया लाल सेठिया, श्री कोमल कोठारी, डॉ. सीताराम लालस एवं श्री विजयदान देथा के नाम से पुरस्कार दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने इस सम्बन्ध में प्रक्रिया, मार्गदर्शिका एवं चयन समिति से सम्बन्धित प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। पद्य श्रेणी में श्री कन्हैया लाल सेठिया साहित्य पुरस्कार, लोक साहित्य/कला श्रेणी में श्री कोमल कोठारी लोक साहित्य पुरस्कार, भाषा/अनुसंधान श्रेणी में डॉ. सीताराम लालस भाषा एवं अनुसंधान पुरस्कार तथा गद्य श्रेणी में श्री विजयदान देथा साहित्य पुरस्कार दिए जाएंगे। राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर को इन पुरस्कारों के लिए नोडल एजेन्सी बना गया है। कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग प्रशासनिक विभाग होगा।

प्राइड ऑफ राजस्थान से सम्मानित डॉ. नरेंद्र पारख का नागरिक अभिनंदन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। राजस्थान के राज्यपाल महामहिम कलराज मिश्र द्वारा डॉ. नरेन्द्र पारख को राज्य स्तर पर प्राइड ऑफ राजस्थान सम्मान से नवाजे जाने के उपलक्ष्य में बुधवार कों ब्यावर के विभिन्न औद्योगिक संस्थानो, एसोसिएशनों,सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों द्वारा माला पहनाकर शिक्षा मित्र डा. नरेन्द्र पारख का शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान एवम समर्पण के कारण सम्मान से गौरवान्वित होकर ब्यावर पहुंचने पर हार्दिक स्वागत एवम अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज से समाजसेवी राजेश झंवर, इंटेक के उत्तम चंद भण्डारी, आदर्श विद्या मंदिर के अध्यक्ष रमेशचन्द भराडिया, डॉ एस.सी. जैन पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, जैन समाज से गौतम भण्डारी, कांग्रेस उपाध्यक्ष एडवोकेट विजय पारीक, उद्यमी मोहम्मद हारून, अग्रवाल शिक्षा समिति के मंत्री राजेन्द्र गर्ग, सी.ए. मुकेश अग्रवाल, समाजसेवी एवम होटल व्यवसायी रमेश यादव, रमेश एच माहेश्वरी, लायंस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष महेन्द्र दुग्गड़, सचिव कमल सिंघल, सर्राफ सुनील जैथलिया, श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के प्रबंधकारिणी सदस्य चन्दुलालकोठारी, उत्तमचन्द देरासरिया, महावीर इंटरनेशनल के चेयरमैन दीपचंद कोठारी,शिक्षाविद् मदन लाल वैष्णव शकुंत आदि बड़ी संख्या में समाजसेवी,गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। वर्द्धमान ग्रुप के तहत संचालित इकाइयो के शिक्षण प्रमुखों एवं संकाय सदस्यों ,अधिकारियों,कर्मचारियों ने भी डॉ. पारख को राज्यपाल सम्मान प्राप्त होने पर प्रसन्नता जताई। अंत में अभिनंदन हेतु डॉ. पारख ने सभी पदाधिकारियों सदस्यों का आभार प्रदर्शित किया।

महावीर इंटरनेशनल सूरत मॉडल टाउन विश्व रक्त दाता दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में 150 यूनिट रक्त एकत्रित

सूरत

विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष् पर महावीर इंटरनेशनल (मॉडल टॉउन) सूरत द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन राधा रमण टेक्सटाइल्स मार्केट , सारौली सूरत के परिसर में रखा गया । जिसमें प्रातः 10:30 से रक्तदान करने का सिलसिला शाम 6:00 बजें तक चलता निरंतर चलता रहा। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष् पर पधारें हुए विशिष्ट अतिथियों का आगमन हुआ और संस्था द्वारा सभी का स्वागत सम्मान किया गया। जिसमें DSP zone-4 श्री सागर बागमार (IPS)सारौली पुलिस चौकी के P.I. श्री S.A.देसाई ,श्री

मिलन भाई (जैनम ग्रुप) श्री सुरेन्द्र मरोठी, श्री संदीप डाँगी, श्री गणपत भंसाली (एपेक्स उपाध्यक्ष) शिविर के लाभार्थी श्री पवन वडेरा (अनामिका ग्रुप) बाड़मेर जैन श्री संघ के अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र मेहता ,अचलगच्छ जैन श्री संघ के अध्यक्ष श्री रतनलाल वडेरा , श्री प्रदीप सिंघी ,वीर रमेश बोहरा , वीर भरत सिंघवी , सभी अतिथि विशेष ने संस्था के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रकट की । आज के रक्तदान शिविर में लगभग 150 यूनिट शाम 4:00 बजें तक इक्कठा हुआ और समाचार लिखने तक यह कार्य निरंतर तेज़ गति से चलता रहा। संस्था के अध्यक्ष वीर गणपत भंसाली ने सभी मेहमानों का, रक्तदाताओं का और लाभार्थी परिवार का धन्यवाद किया और अपने वक्तव्य में कहा की महावीर इंटरनेशनल मॉडल टॉउन शाखा सूरत समाज सेवा के कार्य निरंतर और अनवरत गति से करते रहते हैं ।

जयकारों के साथ सुकन मुनि और शिष्यों की जैन समाज के श्रद्धालुओं ने की अगवानी

मनुष्य की संगत अच्छी होगी तभी जीवन की रंगत बदल पाएगा: प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

उदयपुर। संगत अच्छी होगी तभी जीवन की रंगत बदलेगी। प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने बुधवार को सुखेर मे रोज मार्बल्स मे आयोजित धर्मसभा मे श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुये कहां कि मनुष्य के जीवन का अभुदय तभी हो सकता है जब शिक्षा ओर संस्कारो के प्राणी मात्र के प्रति सेवा दया कि भावना रखकर जीवन जिने वाला पुरूष मानव भव को सफल को बनाकर अपने जीवन की रंगत बदल सकता है। इस दौरान युवा प्रणेता महेश मुनि व बालयोगी अखिलेश मुनि ने कहा कि व्यक्ति के चारित्र ओर आचरण मे धर्म का समावेश होने पर ही मनुष्य भाग्य का निर्माण कर सकता है। धर्मसभा से पूर्व जैन संतो के एकलिंग जी विहार करके सुखेर मे पधारने पर उद्योगपति मांगीलाल लुणावत, सुरेश गुंदेचा, कांतिलाल जैन, प्रदीप लुणावत, रमेश खोखावत,दिनेश चौरड़िया, ओकारसिंह सिरोया, अनिल पुनमिया, राजेन्द्र खोखावत, लक्ष्मीलाल जैन, नरेन्द्र सेठ, सागरमल महता तथा श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ पंचायती नौहरा उदयपुर के अध्यक्ष सुरेश नागौरी,महामंत्री रोशनलाल जैन आदि पदाधिकारियों और श्रमण विहार सेवक आदि सभी ने सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ जयघोष के गगन भेदी जय जयकार लगाते हुये जैन संतो की अगवानी करते हुये अभिनन्दन किया। प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने जानकारी देते हुये बताया कि 16 जुन गुरूवार को प्रवर्तक सुकन मुनि अपने शिष्यों के साथ भुवाणा से विहार करके 10 बजे देवेन्द्र धाम मे आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करेगे 16 जुन शुक्रवार को साईफन चौराहा तथा 17 तारीख को तारा गुरु ग्रंथालय शास्त्री सर्कल पधारेंगे।

भव्य कलश यात्रा के साथ गौमाता कथा का प्रारंभ

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। अजमेर के बी के कौल नगर में प्राचीन बालवीर हनुमान मंदिर में 14 से 18 जून तक होने वाली विशाल दिव्य धेनुमानस गौमाता कथा के लिए आज भव्य कलश यात्रा निकाली गई। प्रवक्ता राजेंद्र गांधी ने बताया कि गौमाता कथा के प्रारंभ से पूर्व बुधवार को प्रातः 8.15 बजे ज्ञानविहार स्थित श्रीराम मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमे महिलाएं एक रंग के परिधान में सिर पर कलश रख कर चल रही थी। कोर कमेटी के सदस्य राजेंद्र मित्तल , मोहन खंडेलवाल एवम् संजय अरोरा ने बताया कि कलश यात्रा विभिन्न मार्गो से होती हुई कथा स्थल पहुंची। जहां पंडाल में स्थापित मंच पर कलश रखे गए जो कथा विश्राम तक रखे जायेंगे। कलश में गुलाबजल एवम् गंगाजल भर कर पुष्पों एवम् अशोक पत्तो से सजा कर श्रीफल रखा गया। भूपेश सांखला एवम् अशोक शर्मा ने बताया कि कलश यात्रा घोड़े, ढोल, बैंडबाजे के साथ निकाली गई । पुष्प मालाओं से सजी हुई घोड़ा बग्गी में कथा वाचक नंदनी सारस्वत विराजमान थी। साथ ही श्रृंगार किए हुए गाय बछड़े पूरी कलश यात्रा के दौरान साथ चल रहे थे । इससे पूर्व मंदिर में 151कलश एवम् व्यास पीठ की पूजा की गई । भक्त गण व्यास पीठ को सिर पर रख कर यात्रा में चल रहे थे । कलश यात्रा की व्यवस्था के लिए ज्योत्सना जैन , आभा गांधी, अंजना मित्तल, सुषमा अग्रवाल,वीना गुप्ता सहित महिला समिति की सदस्यो ने जिम्मा संभाला । कलश यात्रा के पूरे मार्ग को केसरिया झंडियों से सजाया गया । साथ ही जगह जगह पुष्प वर्षा द्वारा स्वागत किया गया । इस अवसर पर कैलाश अग्रवाल, नितिन गुप्ता, योगेश अग्रवाल, अशोक टाक, जगदीश ऐरन , ओमप्रकाश गर्ग, महेश सांखला, कमल पंवार, दिनेश सांखला, राजेंद्र पंवार, विमल काबरा, इंदरसिंह, नंदकिशोर गर्ग, शांतिलाल सोनी, उत्तम पंवार, राखी सांखला, कृष्णा सांखला, संध्या विजय सहित अन्य जनों ने सेवाएं दी ।

कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित ध्यान दें...

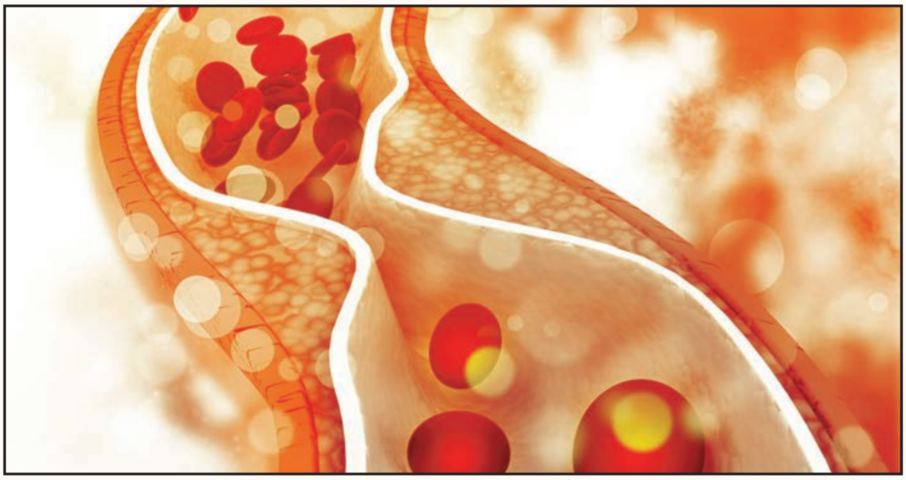

शाबाश इंडिया

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना और घटना दोनों प्रक्रियाएं हैं। यानी, इसे बहुत तेजी से करना आसान नहीं है और यह स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा नहीं होता है। वास्तव में, उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या आहार और खराब जीवनशैली के कारण होती है और यदि आप इन दोनों को सही करें, तो आप आसानी से इस समस्या से बच सकते हैं। इसलिए, आज हम आपको बताएंगे 4 आहारिक परिवर्तनों के बारे में जो खून की नसों में चिपकी कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकते हैं।

उच्च कोलेस्ट्रॉल को कैसे नियंत्रित करें?

खाली पेट नींबू पानी पिएं खाली पेट नींबू पानी पीने से कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिल सकती है। नींबू पानी में मौजूद साइट्रिक एसिड और विटामिन सी रक्त वाहिकाओं में जमी हुई तेल के अणुओं को तोड़ने में मदद करते हैं। साथ ही, इस नींबू पानी को पीने से रक्त वाहिकाओं में चिपकी हुई ट्रिग्लिसराइड की जमावट नहीं होती है, जिसके कारण उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या हो सकती है। ओट्स पोरिज नाश्ते के रूप में नाश्ते में ओट्स पोरिज खाने से उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या में कमी हो सकती है। वास्तव में, ओटमील में पाया जाने वाला घुलनशील फाइबर आपके लो-घनत्व लिपोप्रोटीन अर्थात 'बुरा' कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार है। साइट्रेट सूक्ष्मजाल कोलेस्ट्रॉल का आपके रक्त में आस्थान होने को कम कर सकता है। पांच से दस ग्राम या इससे अधिक घुलनशील फाइबर प्रतिदिन आपके एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

वास्तव में, ओटमील में पाया जाने वाला घुलनशील फाइबर आपके लो-घनत्व लिपोप्रोटीन अर्थात 'बुरा' कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार है। साइट्रेट सूक्ष्मजाल कोलेस्ट्रॉल का आपके रक्त में आस्थान होने को कम कर सकता है। पांच से दस ग्राम या इससे अधिक घुलनशील फाइबर प्रतिदिन आपके एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

जैतून का तेल

जैतून का तेल जैतून का तेल उच्च कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक हो सकता है। इसलिए अपने भोजन में इस तेल का उपयोग करें। आप जैतून के तेल में सब्जियां तल सकते हैं या इसे पकाने में उपयोग कर सकते हैं। ये सभी युक्तियाँ कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में सहायक हैं।

उच्च फाइबर फल और सब्जियां

उच्च फाइबर आहार उच्च फाइबर वाले फल और सब्जियां कोलेस्ट्रॉल समस्याओं को कम करने में मदद कर सकते हैं। सेब, नाशपाती, राजमा और ब्रसल्स स्प्राउट्स जैसे उच्च फाइबर वाले आहार कोलेस्ट्रॉल की ठोसता को कम करने में मदद कर सकते हैं।

आचार्य श्री विहर्ष सागर जी का इंदौर नगर सीमा में प्रवेश

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। आचार्य श्री विहर्ष सागर जी का 2023 का भव्य चातुर्मास इंदौर में होने जा रहा है आचार्य श्री ऋषि तीर्थ पर विराजित है आचार्य संघ के दर्शन करने आशीर्वाद प्राप्त करने पूरे देश के भक्तो के साथ साथ इंदौर के समाज श्रेष्ठि भी बड़ी तादाद में आना जाना लगा हुआ है हर कोई इसी प्रयत्न में लगे हुए है कि आचार्य संघ से आशीर्वाद प्राप्त करे ओर संघ से जुड़े ताकि चातुर्मास के समय उनकी वेयावर्ती कर पुण्यअर्जन भी अवश्य करे मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि आचार्य श्री का वात्सल्य ओर आशीर्वाद पाकर हर कोई अपने आप को धन्य मानते है और कोई भी यह अवसर खोना नही चाहते है आज समाज के बहुत से श्रेष्ठि दिगंबर जैन समाज सामाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, योगेन्द्र काला, पुलकमंच के प्रदीप बडजात्या, कमल जी, किरण रावका महेंद्र निगोतिया, हंसमुख गांधी के साथ सामाजिक सांसद, फेडरेशन के पुलकमन्च परिवार के भी कई सदस्य ऋषि तीर्थ पर संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com